उपलब्धि

रियल टाइम डाटा उपलब्ध कराने वाला एआई ड्रोन बना रहे शिवांशु

25 लाख रुपये लगाकर चार साल में खड़ी कर दी 50 करोड़ की कंपनी, 17 युवाओं को दिया रोजगार

आशीष गुप्ता

स्टार्टअप योद्धा

लखनऊ। आईआईटी कानपुर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग कर चुके 26 वर्षीय शिवांशु द्विवेदी ने अपने एआई ड्रोन स्टार्टअप से न सिर्फ किसानों और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर को नई तकनीक दी है बल्कि युवाओं के लिए रोजगार का रास्ता भी खोला है।

लखनऊ के तिवारीगंज में बनी उनकी लैब में तैयार ड्रोन एआई डेटा एनालिटिक्स की मदद से रियल टाइम डाटा जुटाते हैं। यह तकनीक किसानों को खेतों की सटीक मैपिंग और इंफ्रा कंपनियों को समय पर सही आंकड़े उपलब्ध कराती है। शिवांशु के स्टार्टअप में इस समय 17 युवा इंजीनियर और टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट्स काम कर रहे हैं। वे बताते हैं कि हमारी कोशिश है कि तकनीक के साथ-साथ ज्यादा से ज्यादा युवाओं को रोजगार भी मिले।

मूल रूप से बस्ती निवासी शिवांशु बताते हैं कि आईआईटी में एंटरप्रेन्योर बनने का सपना देखते थे। कॉलेज में 2019 में दोस्तों के साथ पाई ड्रोन्स नाम से प्रोजेक्ट शुरू किया। बाद में सीएम स्वरोजगार योजना से 6 लाख का कर्ज लिया। कारवां आगे बढ़ा तो एसटीपाई (सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया) से 25 लाख की और यूपी स्टार्टअप सीड फंड से 10 लाख की मदद मिली जिससे उनको अपनी लैब स्थापित करने में आसानी हुई। अभी लखनऊ, दिल्ली और बंगलूरू में कंपनी है।

महिलाओं के लिए अवसर, कोरिया और स्पेन से ऑफर

शिवांशु की कंपनी भारत सरकार की 'ड्रोन दीदी योजना' से भी जुड़ी है। यहां से प्रशिक्षित तीन युवतियां आज इसरो जैसी संस्थाओं में कार्यरत हैं। कोरिया के केएसजीसी (कोरियन स्टार्टअप ग्रांड चैलेंज) और स्पेन के इंडियन लीडर्स प्रोग्राम में कंपनी को पेश किया गया, जहां से मैन्युफैक्चरिंग ऑफर मिले। जल्द ही उनकी कंपनी की पहली सब्सिडियरी यूनिट कोरिया में शुरू होने जा रही है।